NORTHWEST ACCREDITATION COMMISSION, USA

HIGH SCHOOL DIPLOMA (Sr. Secondary/12TH) 2016-2017

Subject- HINDI, Subject Code – HIN417

Question Paper No. : H N 1 9 **Date:**

Question Paper Code: H I 2 0 **Roll No.:**

Time: 03.00 Hours. **Total Marks: 100**

IMPORTANT INSTRUCTIONS

1. OPENING AND CHECKING OF THE QUESTION-BOOKLET

Break open the seal of the Question-Booklet only when the announcement is made by the Invigilator. After breaking the seal and before attempting the questions, student should immediately check for:

a) The number of the printed page in the Question-Booklet is the same as mentioned on the cover page of the Booklet and

b) Any printing error in the Booklet pages, if any.

Any discrepancy or error should be brought to the notice of the Invigilator who will then replace the Booklet. No additional time will be given for this.

2. No student, without the permission of the Superintendent or the Invigilator concerned, is to leave his/ her seat or the Examination Room.

3. FILLING UP THE REQUIRED INFORMATION ON QUESTION-BOOKLET AND ANSWER SHEET

After breaking open the seal and checking the Booklet, student should:

a) Fill up the **Question Paper No.** and **Question Paper Code** (mentioned on the cover of Question-Booklet) in the space provided on the First Answer Sheet.

b) Fill up his/her Roll Number on the First Answer Sheet and on each Supplementary Answer Sheet, if taken.

c) Student should mention the total number of **Supplementary Answer Sheet**, if taken, in the space provided on the First Answer Sheet and also fill up the Serial Number mentioned on each **Supplementary Answer Sheet** along with his/her Roll Number in the register maintained by the Invigilator. Student must tie all the Answer Sheets with the thread provided by the Invigilator.

4. INSTRUCTIONS ABOUT QUESTION PAPER

This Question Paper is divided into three Sections – A, B and C. All Sections are compulsory. Attempt all Sections as per instructions.

a) Section A is a Reading section includes question No. 1 and 2 and this section includes 20 marks.

b) Section B is a Writing section includes question No. 3 to 7 and this section includes 25 marks.

c) Section C is a Text Book section includes question No. 8 to 14 and this section includes 55 marks.

5. Student found in possession of Cellular Phone / Mobile Phone / Pager or any other Communication Device and/or any Book/Note whether using or not, will be liable to be debarred for taking examination(s) either permanently or for specified period or/and dealt with as per law or/and ordinance of the School/SERI according to the nature of offence, or/and he/she may be proceeded against and shall be liable for prosecution under the relevant provision of the Statutory Law.

THE ANSWER SHEET IS TO BE RETURNED ON COMPLETION OF THE TEST

Sample Paper

P.T.O.

खंड – "क"

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दें:

आत्मविश्वासी मनुष्य लक्ष्य केन्द्रित होता है। उसका ध्यान अर्जुन की तरह, साधना एकलव्य की तरह और निर्भीकता कर्ण की तरह होती है। मनुष्य को सदैव इस मंत्र का जाप करना चाहिए कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। यदि हमें प्रगति करनी है तो 'आत्म दीपो भव' के सिद्धांत को स्वीकारना होगा। अर्थात् अपना दीपक स्वंय बनो। 'अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काज' की भावना रखने वालों को जानना चाहिए कि भाग्यवादिता और आलस्य ऐसे दुर्गण हैं जो व्यक्ति को थोथा चना बना देते हैं। यह तो स्वंय हमें सोचना है कि हमें कुलदीपक बनना है। जो लोग सदैव अवसर की प्रतीक्षा करते रहते हैं, अवसर उनके पास आकर निकल भी जाता है, फिर भी वे उसकी दस्तक को नहीं पहचानते। ऐसे भाग्यवादियों से तो राम ही बचाए। साहस और मजबूत विचार शक्ति मनुष्य को सफलता दिलाती है और कायरता तथा हिचक मनुष्य को असफलता की ओर धकेल देती है। अतः उठो, उपने कर्म में रत् हो जाओ, अकर्मण्यता को त्याग दो हम अपना और दृढता के साथ आगे बढ़ें। हमें दृढ़ता का संकल्प लेना होगा। उपयोगी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करना होगा। सुख –सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। हमें सफलता प्राप्त करने से पहले युद्ध से गुजरना पडता है। सफलता कभी भी भाग्य और घटनाओं का विषय नहीं होती बल्कि यह सशक्त विचार शक्ति और कठिन परिश्रम पर निर्भर करती है। इसलिए हमें जीवन में लक्ष्य के प्रति आशान्वित होना चाहिए और सही निर्णय करना चाहिए। यह व्यक्ति की चारित्रिक दृढ़ता को भी दिखाता है। हमारी सोचने की शक्ति, आदत, सहनशीलता, कार्यशक्ति तथा साहस सभी कुछ हमारी कर्त्तव्यपरायणता से लक्षित होता है। जो अपनी इन्द्रियों को जीते उसे जितेन्द्रीय कहते हैं और जो सफलता प्राप्त करे वही विजयी होता है।

(क) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। **1 अंक**

(ख) अर्जुन, कर्ण और एकलव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए **1 अंक**

(ग) 'आत्म' दीपोभव' का सिद्धांत क्या है? **1 अंक**

(घ) भाग्यवादी सफल क्यों नहीं हो पाते? **2 अंक**

(ड) सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्ति की क्या पहचान होती है? **2 अंक**

(च) युद्ध से गुजरने की क्या अभिप्राय है? **2 अंक**

(छ) किन जीवन मुल्यों के आधार पर हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं? **3 अंक**

(ज) सशवत विचार शक्ति और कठिन परिश्रम से आप क्या समझते हैं? **3 अंक**

प्रश्न 2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

माँ अनपढ़ थीं,
उसके लेखे
काले मच्छर भैंस बराबर
थे नागिन से टेढ़े– मेढ़े
नहीं याद था

Sample Paper

उसे श्लोक स्तुति का कोई भी
नहीं जानती थीं आवाहन
या कि विसर्जन देवी माँ का
नहीं वक्त था
ठाकुरबाड़ी या शिवमंदिर जाने का भी
तो भी उसकी तुलसी माई
नित्य सहेज लिया करती थीं
निश्चल करूण अश्रु–गीतों में
लिपटे–गुँथे दर्द को माँ के।
अकस्मात् बीमार हुई माँ
चौका –बासन, गोबर–गोंइठा ओरियाने में
सुखवन ले जाने, लाने में
भीगी थीं सारे दिन जम कर
ऐसा चढ़ा बुखार
न उतरा अंतिम क्षण तक
दुर्बल तन वृद्धावस्था का
झेल नहीं पाया प्रकोप
ज्वर का अति भीषण,
लक्वा मारा, देह समूची सुन्न हो गई,
गल्ले वाले घर की चाभी
पहुँच गई 'ग्रेजुएट' भाभी के
तार–चढ़ें मखमली पर्स में।

(क) 'काले अच्छर भैंस बराबर' से कवि का क्या आशय है? **1 अंक**

(ख) 'माँ' को मंदिर जाने का समय क्यों नहीं मिलता था? **1 अंक**

(ग) 'माँ' तुलसी माई को क्या अर्पित करती थी? **1 अंक**

(घ) माँ का तन बुखार के प्रकोप को क्यों नहीं झेल पाया? **1 अंक**

(ङ) माँ की शारीरिक असमर्थता से भाभी को क्या फायदा हुआ? **1 अंक**

Sample Paper

खंड – "ख"

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए – 5 अंक

(क) वर्तमान भारतीय राजनीति में युवाओं की भूमिका

(ख) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

(ग) अधजल गगरी छलकत जाए

(घ) सभ्यता का जनक–हमारा भारत देश।

प्रश्न 4 भारत सरकार के गृह मंत्रालय के सचिव की ओर से मुख्य सचिव महाराष्ट्र राज्य को एक सरकारी पत्र लिखें जिसमें 'कन्या भ्रूण हत्या' पर चिंता व्यक्त की गई हो। **5 अंक**

अथवा

बिजली की समुचित आपूर्ति न होने से उत्पन्न समस्याओं का वर्णन करते हुए विद्युत विभाग के प्रबंधक को एक पत्र लिखो।

प्रश्न 5 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर आलेख लिखें। 5 अंक

हाल ही में पढ़े किसी 'कहानी –संग्रह' की समीक्षा लिखिए।

अथवा

'युवा पीढ़ी की इच्छाएँ।

प्रश्न 6 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 1x5 = 5 अंक

(क) प्रिंट माध्यम से क्या तात्पर्य है?

(ख) पत्रकारीय लेखन में सर्वाधिक महत्व किस बात का है?

(ग) समाचार लेखन कौन करते है?

(घ) अखबार अन्य माध्यमों से अधिक लोकप्रिय क्यों है? एक मुख्य कारण लिखिए।

(ङ) अखबारी भाषा में 'बीट' किसे कहते है?

प्रश्न 7 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रिपोर्ट लिखें। 5 अंक

'हमें झुग्गीवसियों के साथ एक कार्यशाला में भाग लेने एवं उनकी शोचनीय दशा देखनें का अवसर मिला'। इस पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

अथवा

SamplePaper

'हर साल बच्चों की हत्या और अपहरण की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं' अपने विद्यालय की पत्रिका के लिए शोध के उपरांत एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

खंड – "ग"

प्रश्न 8 निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

सचमुच मुझे दंड दो कि भूलूँ मैं भूलूँ मैं

तुम्हें भूल जाने की

दक्षिण ध्रुवी अंधकार – अमावस्या

शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पा लूँ मैं

झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं

इसलिए कि तुमसे ही परिवेष्टित आच्छादित

रहने का रमणीय यह उजेला अब

सहा नहीं जाता है।

नहीं सहा जाता है।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त 'तुम्हें' पद आपके विचार से किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? आप ऐसा क्यों मानते हैं? **2 अंक**

(ख) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में 'अमावस्या' की स्थिति को स्पष्ट कीजिए। **2 अंक**

(ग) कवि अपने संबोध्य प्रिय पात्र को क्यों भूल जाना चाहता है? **2 अंक**

(घ) काव्यांश में दो स्थानों पर दो वाक्यांशो की आवृत्ति से अर्थ में क्या विशेष प्रभाव पड़ा है? स्पष्ट कीजिए। **2 अंक**

अथवा

जोर जबर्दस्ती से

बात की चूड़ी मर गई

और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!

हारकर मैंने उसे कील की तरह

उसी जगह ठोंक दिया।

ऊपर से ठीकठाक

पर अंदर से

Sample Paper

न तो उसमें कसाव था

न ताकृत!

बात ने, जो एक शरारती बच्चे की तरह

मुझसे खेल रही थी,

"क्या तुमने भाषा को

सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा"?

(क) बात की चूड़ी कब मरती है? उसका क्या परिणाम होता है? **2 अंक**

(ख) भाषा – प्रयोग के संदर्भ में 'कील की तरह ठोंक देने' का क्या भाव है? **2 अंक**

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – " क्या तुमने भाषा को सहूलियत से बरतना कभी नहीं सीखा" ? **2 अंक**

(घ) बात की तुलना शरारती बच्चे से क्यों की गई है? **2 अंक**

प्रश्न 9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3x2 = 6 अंक

(क) 'प्रेमघन की छाया–स्मृति' पाठ में लेखक ने चौधरी साहब के व्यक्तित्व के किन –किन पहलुओं को उजागर किया है?

(ख) 'चंद्रायण व्रत करती हुई बिल्ली के सामने एक चूहा स्वंय आ जाए तो बेचारी को अपना कर्त्तव्य पालन करनी ही पड़ता है।'– 'कच्चा चिट्ठा' आत्मकथा में लेखक ने यह वाक्य किस संदर्भ में कहा और क्यों?

(ग) संवदिया की क्या विशेषताएँ हैं? वह बड़ी बहुरिया का संवाद क्यों नहीं सुना सका?

प्रश्न 10 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2x4 = 8 अंक

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावत : ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग समाचार तब भेजा, ज बवह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने – पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना–उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिय थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाया लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी–खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक–फेंक कर उसने पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

Sample Paper

(क) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके रचनाकार कौन है?

(ख) भक्तिन को उसके पिता की बीमारी का समाचार क्यों नहीं दिया गया?

(ग) लछमिन (भक्तिन) की सास ने उससे पिता की मृत्यु का समाचार क्यों छिपाया?

(घ) पिता के घर पहुँचकर भी लछमिन बिना पानी पिए उलटे पैरों क्यों लौट गई?

अथवा

मैंने मन में कहा, ठीक। बाजार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो। सब भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ? नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज है। अजी आओ भी। इस आमंत्रण में यह खूबी है कि आग्रह नहीं है, आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे बाजार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलब अभाव। चौक बाजार में खड़े होकर आदमी को लगने लगता है कि उसके अपने पास काफी नहीं और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है ओह!

कोई अपने को न जाने तो बाजार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े। विकल्प क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा, और ईर्ष्या से घायल कर मनुष्य को सदा के लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक कौन हैं? इसे किस पाठ से लिया गया हैं?

(ख) गद्यांश के आरंभ में कौन, किससे और क्या कह रहा है?

(ग) चाह का मतलब अभाव क्यों कहा गया हैं?

(घ) बाजार के चौक के बारे में क्या बताया गया हैं?

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3x5 = 15 अंक

(क) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर जल और वर्षा के अभाव में गाँव की दशा का वर्णन कीजिए।

(ख) 'ढोलक में तो जैसे पहलवान की जान बसी थी।' – ' पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर इसे सिद्ध कीजिए।

(ग) चार्ली चैप्लियन ने दर्शकों की वर्ग तथा वर्ण – व्यवस्था को कैसे तोड़ा है? – 'चार्ली चैप्लिन यानी हम सब' पाठ के आधार पर बताइए।

(घ) सिख बीबी के प्रति सफिया के आकर्षण का क्या कारण था? 'नमक' पाठ के आधार पर बताइए।

(ड) शिरीष तरू के अवधृत रूप के कारण लेखक को किस महात्मा की याद आती है और क्यों? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर बताइए।

प्रश्न 12 काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x3=6 अंक

Sample Paper

किसवी, किसान–कुल, बनिक, भाट चाकर,

चपल नट, चोर, चार, पेटकी

पेटको पड़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,

अटत गहन–गन अहन अखेटकी।

(क) अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटकर लिखिए।

(ख) पंक्तियों के ध्यनि सौंदर्य को उदाहरण देकर स्पष्ट करिए।

(ग) काव्य–पंक्तियों का भाव–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लिखिए – **6 अंक**

भीष्म सहानी अथवा आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के जीवन, रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 14 निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर दीजिए – **6 अंक**

(क) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

अथवा

(ख) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि ऐन फ्रैंक बहुत प्रतिभाशाली तथा परिपक्व थी?

प्रश्न पत्र समाप्त

Sample Paper